वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 150 | सोमवार 23 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सात दिगम्बर जैन संतों का सानिध्य में क्षमा वीरस्य भूषणम्...

महावीर स्कूल में 32 दिन, 16 दिन एवं 10 दिन के उपवास करने वाले 125 त्यागीव्रती तपस्वियों का किया अभिनन्दन

सकल दिगम्बर जैन समाज के सामूहिक क्षमापना समारोह में उमड़े श्रृद्धालु, जैन समाज सेवा में अग्रणी : मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म में क्षमा याचना का बहुत बड़ा महत्व है। क्षमा मांगने एवं क्षमा करने से आपसी सम्बन्धों में मधुरता आती है। क्षमा याचना से मानसिक शांति मिलती है। आध्यात्मिक विकास में मदद मिलती है। समाज में सदभावना फैलती है। ये विचार मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने महावीर स्कूल में राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में आयोजित सकल दिगम्बर जैन समाज के सामूहिक क्षमापना समारोह में व्यक्त किये। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने शिक्षा, चिकित्सा, सहायता, मानव व समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए जैन समाज की प्रशंसा की। उन्होंने सभी मुनिराजों को नमन वन्दन करते हुए पूरे समाज से गत वर्ष की गलतियों के लिए क्षमा याचना की। आचार्य शशांक सागर महाराज के मुख्यमंत्री निवास में सामूहिक क्षमापना समारोह मनाने के आव्हान पर उन्होंने सभी संतों को मुख्यमंत्री निवास में पधारने का निमंत्रण दिया। इस मौके पर समाज की मांग पर सामाजिक कार्यों एवं छात्रावास के लिए जमीन उपलब्ध करवाने का आश्वासन भी दिया। सभी साधु संतो को विहार में सुरक्षा एवं राजकीय अतिथि घोषित करने के आदेशों की भी जानकारी दी। सकल दिगम्बर जैन समाज का सामूहिक क्षमापना समारोह आचार्य शशांक सागर महाराज, मुनि पावन सागर महाराज, मुनि समत्व सागर महाराज, मुनि अर्चित सागर महाराज सहित सात दिगम्बर जैन संतों के सानिध्य में महावीर स्कूल में सम्पन्न हुआ । इस मौके पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, सासंद मंजू शर्मा, मालवीय नगर विधायक काली चरण सराफ सहित बडी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए। राजस्थान जैन सभा द्वारा सी स्कीम स्थित महावीर स्कूल में आयोजित इस अभिनन्दन समारोह में दस दिन एवं उससे अधिक दिनों के उपवास करनेवाले 125 त्यागी व्रती तपस्वियों का अभिनन्दन किया गया। इस मौके पर आचार्य शशांक सागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि क्षमा तो दिल की वसीयत है हर दिल की नसीयत है। जीवन में सबसे बडी त्याग तपस्या के लिए जैन धर्म का ही नाम सर्व प्रथम आता है। मुनि पावन सागर महाराज ने प्रवचन में कहा कि क्षमा कायरों का नहीं वीरों का आभूषण है। देश का उद्धार चाहते हैं तो हमें एक होना पडेगा। हिन्दू शब्द की परिभाषा बताते हुए कहा कि जो हिंसा से दूर रहता है वह ही हिन्दू है। मुनि समत्व सागर महाराज ने प्रवचन में कहा कि हमें भगवान महावीर के सिद्धांतों को अपनाना होगा तब ही वैचारिक विकास एवं राष्ट्रीय विकास होगा। जीओ और जीने दो सहित अहिंसा, शाकाहार के सिद्धांतों को मजबूती प्रदान करनी होगी। भगवान महावीर ने तो एक ही बात कही है कि किसी का बुरा मत सोचो। मुनि अर्चित सागर महाराज ने कहा कि क्षमा आज से नहीं अनन्तकाल से चली आ रही है। इससे पूर्व मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवं अन्य सभी अतिथियों ने श्रीफल भेट कर सभी संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने सभी अतिथियों को साथ लेकर भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर औपचारिक रूप से समारोह का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री का राजस्थान जैन सभा की ओर से तिलक, माला, शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मान किया। अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं समारोह के मुख्य समन्वयक दर्शन जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री ने 32 दिन के उपवास करने वाले त्यागी व्रती गिरीश जैन, 16 दिन के उपवास करने वाली बापूनगर निवासी मौसमी दीवान एवं अन्य 4 त्यागी व्रतियों का अभिनन्दन किया। शुरू में मीना चौधरी एवं सीमा जैन गाजियाबाद ने नमन हमारा अरिहन्तों को.... मंगलाचरण प्रस्तुत किया। मुनि शील सागर महाराज ने भी कविता के माध्यम से मंगलाचरण किया। इससे पूर्व प्रातः 7.00 बजे कीर्तिनगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से विशाल जुलूस के साथ रवाना होकर सभी दिगम्बर जैन संत महावीर स्कूल पहुचे।

@ पेज 2 पर

सकल दिगम्बर जैन समाज के सामूहिक क्षमापना समारोह में उमड़े श्रृद्धाल

चित्रांकन : सतीश जैन अकेला

शाबाश इंडिया

आचार्य शशांक सागर महाराज, मुनि पावन सागर महाराज, मुनि समत्व सागर महाराज, सुभद्र सागर महाराज, संदेश सागर महाराज, अर्चित सागर महाराज, शील सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित धर्म सभा में सभी त्यागी व्रतियों का जयकारों के बीच अभिनन्दन किया गया। सभी संतों ने सभी त्यागी व्रती तपस्वियों को उनकी तपस्या के लिए आशीर्वाद दिया। समारोह के समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा एवं मुख्य संयोजक प्रदीप जैन ने बताया कि समारोह में दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु -ऋतु कासलीवाल, राजीव - सीमा जैन गाजियाबाद, अजय - माया कटारिया, गजेन्द्र, प्रवीण विकास बडजात्या, राहुल - शिखा जैन, चन्द्रप्रकाश - रीना पहाड़िया अतिथि के रूप में शामिल हुए । सभा की ओर से सभी अतिथियों एवं सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दर्शन बाकलीवाल,उपाध्यक्ष मुकेश सोगानी, महामंत्री मनीष बैद, मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, संयुक्त मंत्री भानू छाबड़ा, कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा, कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप जैन,कमल बाबू जैन, यशकमल अजमेरा, सुभाष बज, अनिल छाबडा,अमर चन्द दीवान खोराबीसल, आर के जैन रेल्वे, शैलेन्द्र साह चीकू, अशोक पाटनी, राकेश गोधा, राजीव पाटनी, अशोक जैन नेता, महेश काला, मीना चौधरी, सीमा जैन गाजियाबाद आदि ने त्यागीव्रती तपस्वियों का तिलक, माल्यार्पण, शॉल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। त्यागी व्रती तपस्वियों को जिनवाणी एवं महावीर जयंती स्मारिका भेंट की गई। राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन ने स्वागत उदबोधन में सन- 1953 से राजस्थान जैन सभा द्वारा सामूहिक क्षमापना समारोह मनाने की जानकारी देते हुए सभा द्वारा संचालित योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद एवं श्री मुनि संघ सेवा समिति बापूनगर को समारोह में सहयोग के लिए उनका आभार व धन्यवाद दिया। मंच संचालन राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष बैद ने किया। आभार मंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने व्यक्त किया। समारोह के समापन पर गत वर्ष की गलतियों के लिए लोगो ने आपस में क्षमा याचना की। इस मौके पर उप महापौर पुनीत कर्णावट, सुनील कोठयारी, संजय जैन, उमराव मल संघी, सुनील बख्शी, पार्षद हिमांशु जैन, अनिता जैन, पारस पाटनी,आलोक जैन, शैलेन्द्र गोधा सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। समाज के सामूहिक वात्सल्य सहभोज के बाद समापन हुआ।

जब जागो तब सवेरा

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नौगामा जिला बांसवाड़ा। परम पूज्य पवित्रमति माताजी का मंगल प्रवचन दस लक्षण पर्व के उपरांत आज रविवार को पवित्र मती माताजी करण मति, गरिमा मती के सानिध्य में वागड़ के बड़े बाबा आदिनाथ भगवान नेमिनाथ भगवान 1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिर जी मैं अभिषेक शांति धारा हुई, अभिषेक के बाद जैन पाठशाला के छात्रों द्वारा चातुर्मास पंडाल में सामूहिक रूप से बड़े भक्ति भाव से पूजन की गई । पूजन के बाद 5 , 7,10,16 उपवास करने वाले प्रतिभागियों द्वारा अपने विचार एवं उपवास की महिमा एव अपने अनुभव बताये। आज रिद्धि पंचोली प्रवीण पंचोली सुपत्री 16 उपवास करने के उपलक्ष में उनसे घर विशाल शोभा समवशरण होते हुवे चातुर्मास पंडाल स्थल पहुंची जहां पर माताजी को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आज उनकी ओर से स्नेह भोज का भी आयोजन किया गया। श्री समाज द्वारा उनका बहूमान किया गया। आज चातुर्मास पंडाल में चातुर्मास अध्यक्ष निलेश जैन राजेंद्र गांधी नरेश जैन द्वारा मुकुट सप्तमी पर जैन पाठशाला के छात्रों ने जो उपवास किए थे उन सभी छात्रों को श्री समाज द्वारा सम्मानित किया गया एवं पुरस्कार का प्रदान किया गया मंगलाचरण के बाद बाहर से पधारे हुए अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि चातुर्मास के दिनों में 10 लक्षण के उपलक्ष में सभी युवा वर्ग ने नियम, उपवास कर अपनी साधना बढ़ाई। सभी को हमारा बहुत-बहुत आशीर्वाद सभी को अपने व्रत उपवास कर अपनी साधना को बढ़ाना चाहिए उन्होंने कहा कि जब जागो तब सवेरा यह मनुष्य भव मिला है अपने अच्छे कर्म करो इस भव के साथ-साथ अगला भव भी सुधर जाएगा कार्यक्रम का संचालन रमेश चंद्र गांधी भरत पंचोली मुकेश गांधी द्वारा किया गया उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया

भगवान महावीर के सिद्धांतों को अपनाने से शांति स्थापित करने में मिल सकती है मदद: कुलदीप रांका

जयपुर. शाबाश इंडिया। संयुक्त राष्ट्र के ईसीओएसओसी से मान्यता प्राप्त एक गैर सरकारी संगठन श्री स्वामी माधवानंद विश्व शांति परिषद ने आज अंतरराष्ट्रीय विश्व शांति दिवस श्याम नगर स्थित विश्वगुरु दीप आश्रम में धूमधाम से मनाया। इस मौके पर वक्ताओं ने विष्व में शांति कैसे स्थापित हो, इन पर गहनता से मंथन कर शांति के प्रतीक के रूप में पौधा भी लगाया। इस मौके पर कापफी संख्या में लोग मौजूद रहे। विश्व शांति परिषद के राजदूत कपिल अग्रवाल ने बताया

कि इस मौके पर मुख्य वक्ताओं में क्रोएशिया, यूरोप से महामंडलेष्वर स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी, राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के मुख्य सचिव कुलदीप रांका, डॉ. एसआर राज आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के पूर्व कुलपति प्रो. बनवारी लाल गौड़, एनआईए, जयपुर के प्रोफेसर असित कुमार पांजा आदि थे। इस अवसर पर डॉ. एसआर राज आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के पूर्व कुलपति प्रो.गौड ने इस बात पर जोर दिया कि महर्षि चरक के शांति सूत्र दुनिया के लिए फायदेमंद हैं,वहीं राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के मुख्य सचिव रांका ने भगवान महावीर की शांति पर शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका पालन करने से वैश्विक स्तर पर शांति स्थापित करने में मदद मिल सकती है। प्रोफेसर असित कुमार पांजा ने मानसिक शांति और आहार के बीच संबंध पर प्रकाश डाला, जबकि स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी ने घोषणा की कि केवल भारत ही विश्वभर में शांति को बढ़ावा देने में सक्षम है। संचालन डॉ. रघुवीर प्रसाद शर्मा ने किया और अतिथियों का स्वागत कपिल अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम का प्रसारण 11 देशों में किया गया, जिससे वैश्विक दर्शकों तक शांति का संदेश पहुंचा।

धर्म जागृति संस्थान का अष्टम राष्ट्रीय अधिवेशन व रजत जयंती महोत्सव 29 सितंबर को फिरोजाबाद में

आचार्य श्री वसुनंदी महाराज के सानिध्य में होगा वृहद आयोजन

फिरोजाबाद. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान का अष्टम राष्ट्रीय अधिवेशन व रजत वर्ष महोत्सव परम पूज्य अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनंदी जी महामुनिराज ससंघ के सानिध्य में रविवार 29 सितंबर 2024 को सेठ छदामीलाल दिगम्बर जैन मन्दिर फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश में आयोजित कर युवा वर्ग के साथ धर्म बचाओ धर्म सिखाओ अभियान को आगे बढ़ाया जाएगा। राष्ट्रीय महामंत्री इंजीनियर भूपेंद्र जैन दिल्ली ने बताया कि अखिल भारतीय धर्म जागृति संस्थान को स्थापित हुए 25 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं अतः इस वर्ष अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज ससंघ के सानिध्य में रजत जयंती समारोह के साथ राष्ट्रीय अधिवेशन रास्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाएगा। अधिवेशन के दौरान संपूर्ण भारतवर्ष में स्थापित धर्म जागृति संस्थान की शाखाओं के उत्कृष्ट कार्यकर्त्ताओ के सम्मान के साथ साथ सर्वश्रेष्ठ पुरुष व महिला शाखाओं को भी सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या कामां ने बताया कि प्रथम अधिवेशन जयपुर राजस्थान में हुआ तो वही ग्रीन पार्क दिल्ली,बोलखेड़ा, अजमेर,नोयडा,मुम्बई, तिजारा में पूर्व अधिवेशन आयोजित हो चुके हैं। धर्म जागृति संस्थान का मुख्य उद्देश्य देव शास्त्र गुरु की सेवा में सलग्न हो पंथवाद,सन्तवाद से दूर साधु व समाज की सेवा करना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश जैन मेरठ व अधिवेशन संयोजक संजीव जैन दिल्ली ने सभी शाखाओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है। राजस्थान प्रान्त द्वारा आयोजित अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता के पुरुष्कारों की घोषणा व संयोजको का सम्मान भी किया जाएगा।

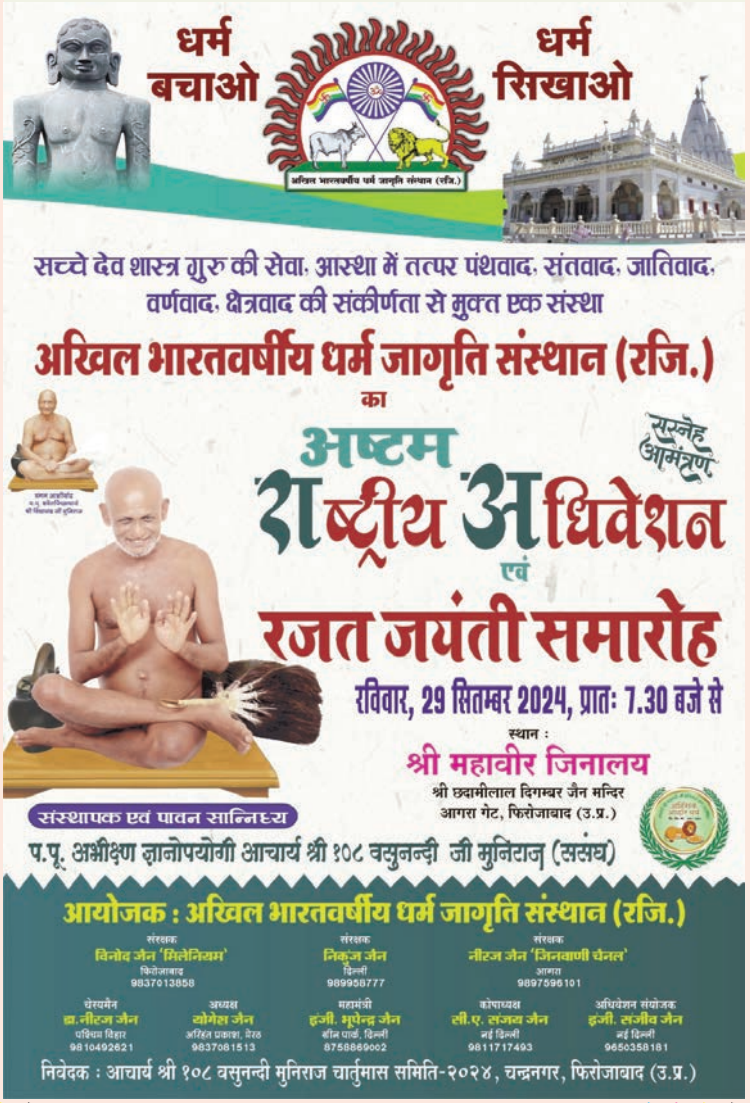

वेद ज्ञान

अज्ञान के समान दूसरा कोई शत्रु नहीं

अज्ञान आपका घातक शत्रु है, जबकि ज्ञान हितैषी मित्र। ज्ञान जीवन के लिए आशा, उमंग, प्रेरणा, उत्साह व आनंद के इतने गवाक्ष खोल देता है कि जीवन का क्षण-क्षण ईश्वर का अनमोल उपहार प्रतीत होता है। एक सृजनशील क्षण आपको प्रतिष्ठा के उत्तुंग शिखर पर प्रतिस्थापित कर सकता है, जबकि कुविचार की अवस्था में क्षण भर का निर्णय आपको निकृष्टता की गर्त में धकेलकर जन्म-जन्मांतरों के लिए आपको लांछित व कलंकित करने के लिए पर्याप्त है। अज्ञान हमें निराशा और पतन की ओर ले जाता है, जबकि ज्ञान आत्मिक उन्नति का पर्याय बन जीवन समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नयन की आधारशिला भी बनाता है। जीवन में यत्र-तत्र-सर्वत्र आनंद व सृजन का सौरभ प्रवाहित करता रहता है। चाणक्य ने कहा है कि अज्ञान के समान दूसरा कोई शत्रु नहीं है। अज्ञान के अंधकार में ज्ञान रूपी प्रकाश के अभाव में भविष्य रूपी भाग्य की राहें अदृष्ट हो जाती हैं और मनुष्य असहाय होकर अपने कर्म व चिंतन की दहलीज पर ही ठोकरें खाने को विवश होता है। मंजिल व लक्ष्य पास होने पर भी वह उसे न पाने के लिए अभिशप्त होता है। फिर वह अपनी ही सोच व कर्म के चक्रव्यूह में फंसकर भय से प्रकंपित होता रहता है। कनफ्यूशियस का मानना है कि अज्ञान मन की निशा है, किंतु वह निशा, जिसमें न तो चंद्र है और न ही नक्षत्र। ज्ञान मनुष्य को तृप्ति, संतोष, आनंद, शांति व निर्भयता का दान देता है, जबकि अज्ञान अतृप्ति, असंतोष, अशांति व भय का उपहार देता है। प्रसिद्ध विचारक ए. होम का मत है कि अज्ञान भय की जननी है। वास्तव में सभी अपराध, विध्वंस, कुकृत्य और अनैतिक कार्य अज्ञान से प्रेरित होकर ही किए जाते हैं। चोर अज्ञानता में ही चोरी का अनैतिक कार्य करता है। वह उसे जीवन का चरम और परम व्यवसाय लगता है, किंतु ज्ञान व बोध हो जाने पर उसके आगोश में बिताए गए क्षणों के प्रति पश्चाताप का भाव उत्पन्न होता है। शेक्सपियर ने अज्ञान को अंधकार कहा है, जिसमें मनुष्य घुटने के लिए विवश होता है। अज्ञानता दूसरे अर्थों में अनपढ़ता ही है, जिसके रहते समग्र जीवन में अंधकार, नैराश्य व भय व्याप्त रहता है। सकारात्मकता की छाया भी दृष्टिगत नहीं होती।

संपादकीय

आस्था को लेकर छिड़ी सियासत

राजनीतिक लाभ के लिए आस्था को भुनाने का चलन नया नहीं है। मगर तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के प्रसाद में पशु चर्बी युक्त मिलावटी घी के उपयोग का मामला मंदिरों की पवित्रता से भी जुड़ा हुआ है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सार्वजनिक मंच से आरोप लगाया कि पिछली सरकार के समय तिरुपति मंदिर में प्रसाद के रूप में बनने वाले लड्डू के लिए सस्ती दर पर मिलावटी घी खरीदा गया। प्रयोगशाला जांच से पता चला

है कि उस घी में पशु चर्बी मिली हुई थी। इसे लेकर स्वाभाविक ही विवाद छिड़ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी का कहना है कि चंद्रबाबू नायडू अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस मामले को भड़का रहे हैं। हालांकि इस पर केंद्र सरकार ने भी गंभीरता दिखाते हुए प्रसाद के नमूने जांच कराने को कहा है। कांग्रेस ने मंदिरों की पवित्रता सुनिश्चित करने की जरूरत रेखांकित की है। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय इस मामले में सुनवाई करने को तैयार हो गया है। मंदिरों में चढ़ावे आदि को लेकर विवाद और उनके प्रबंधन को चुस्त तथा पारदर्शी बनाने की मांग बहुत पहले से उठती रही है। मगर तिरुपति बालाजी मंदिर की प्रबंध समिति यानी तिरुमला तिरुपति देवस्थानम इस मामले में बहुत व्यवस्थित और पारदर्शी मानी जाती रही है। वहां बनने वाले प्रसाद के मानक तय हैं। घी और अन्य सामग्री की

गुणवत्ता और पवित्रता जांचने के लिए आंतरिक प्रयोगशाला है। तीन स्तरों पर इसकी जांच की जाती है। घी आदि की आपूर्ति करने वाले ठेकेदार हर छह महीने बाद बदल दिए जाते हैं। इसके बावजूद अगर वहां के प्रसाद की पवित्रता पर सवाल उठे हैं, तो स्वाभाविक ही इससे लोगों की आस्था पर चोट पहुंची है। मंदिर और धार्मिक स्थल राजनीतिक हस्तक्षेप से दूर होने चाहिए, पर इस सच्चाई से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि वास्तव में ऐसा है नहीं। इसीलिए तिरुपति बालाजी के लड्डुओं में पशु चर्बी होने के आरोप पर सियासत शुरू हो गई है। मगर अपेक्षा की जाती है कि इस मामले को दूसरे मामलों की तरह सियासी रंग देकर दरकिनार करने के बजाय मंदिर की पवित्रता सुनिश्चित करने के कठोर उपाय होने चाहिए।

परिदृश्य

लोगो की परेशानी और खर्च में होगा इजाफा

एक देश एक चुनाव नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा छोड़ा गया जितना बड़ा शिगूफा है, उससे कहीं ज्यादा भारत के गौरवशाली संघीय ढांचे पर प्रहार करने की खतरनाक कोशिश है। उसे पता है कि संशोधन तभी पास हो पाएगा, जब लोकसभा में इसके पक्ष में 362 सांसद वोट करेंगे। अभी पूरा एनडीए मिलाकर 293 सांसद ही हैं। कमोबेश एनडीए की यही हालत राज्यसभा में भी है। मगर सत्ताधारी मंडली को देश के असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए कोई न कोई मुद्दा तो चाहिए ही । इसलिए सरकार एक देश एक चुनाव का राग बेवजह अलाप रही है। उसे पता है कि हरियाणा, जम्मू एवं कश्मीर, महाराष्ट्र, झारखंड जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में उनकी बुरी हार होने जा रही है। देश में महंगाई, बेरोजगारी, रेल दुर्घटनाएं, बेलगाम अपराध समेत तमाम मुद्दे हैं। इन मुद्दों को चर्चा से बाहर करने के लिए भाजपा को एक देश एक चुनाव याद आ रहा है। ध्यान देने वाली बात यह है कि मौजूदा तंत्र जम्मू एवं कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र व झारखंड के चुनाव ही एक साथ नहीं करा पा रहा है। एक देश एक चुनाव के लिए बनी समिति की निष्पक्षता और पवित्रता पर भी दर्जनों सवालिया निशान हैं। इस समिति में राष्ट्रपति पद पर सुशोभित रही विभूति का शामिल होना मर्यादित नहीं है। इस समिति में राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को शामिल नहीं किया गया है। समिति में गुलाम नबी आजाद रहे, जो संसद के किसी सदन के सदस्य तक नहीं हैं। इसके अलावा इस समिति में कई और सदस्य ऐसे भी हैं, जिनका होना विवादास्पद है। समिति ने 18,626 पन्ने की रिपोर्ट तो पेश कर दी है, मगर प्रश्न का उत्तर कहीं नहीं लिखा कि जब पंचायत और विधानसभा लोकसभा का चुनाव एक साथ नहीं होगा, तो किस बात का एक देश एक चुनाव? इसमें कहा गया है कि विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ होंगे, जबकि पंचायत चुनाव इसके 100 दिन बाद होंगे। मतलब, विधानसभा और लोकसभा चुनाव के 100 दिन बाद फिर मतदान केंद्र बनेंगे, फिर मतदान दल बनेगा, फिर से चुनाव का पूरा बंदोबस्त किया जाएगा और इसका खर्च भी जनता को ही देना पड़ेगा। इस पूरी प्रक्रिया में अर्धसैनिक बल के जवानों, प्रशासनिक और पीठासीन अधिकारियों, पुलिस बल समेत 1.5 करोड़ लोग फिर से लगेंगे। इस पूरी प्रक्रिया में तीन गुना वीवीपैट, तीन गुना ईवीएम की जरूरत होगी। जाहिर है, इसमें अधिक समय और धन का दुरुपयोग होगा। रिपोर्ट से यह भी बात साफ हो जाती है कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, वहां की सरकारों का कार्यकाल 5 वर्ष की बजाय 2029 के लोकसभा चुनाव तक ही होगा। तब तक तकरीबन 17 राज्य सरकारें ऐसी होंगी, जिनका 2 से 3 साल तक का कार्यकाल शेष रहेगा। ऐसी हालत में उनको भंग कैसे किया जा सकता है ? यह भी प्रावधान किया जा रहा है कि अगर कोई राज्य सरकार गिर जाती है, तो वहां चुनाव होगा, तब तक के लिए ही होगा, जब तक लोकसभा का कार्यकाल होगा। अगर केंद्र सरकार गिर जाती है, तो क्या सभी राज्य सरकारों को भी भंग कर दिया जाएगा? सरकार की यह भी दलील है कि देश में बार-बार चुनाव होने की वजह से नीति निर्माण में समस्या होती है। विकास कार्यों में खलल पड़ता है जो सरकार 5 साल में 4 साल 11 महीने काम नहीं कर सकती, उसकी तरफ से यह दलील फिजूल है। वस्तुतः यह सरकार हर चीज में एकरूपता ढूंढती है। कभी एक देश एक चुनाव, कभी एक देश एक भाषा, कभी एक देश एक रंग, एक देश एक संस्कृति। दरअसल, भाजपा एक देश एक राष्ट्रीय दल, एक नेता के सूत्र पर काम कर रही है। **-सुप्रिया श्रीनेत, (चेयरपर्सन, सोशल मीडिया, कांग्रेस)**

परम पूज्य आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

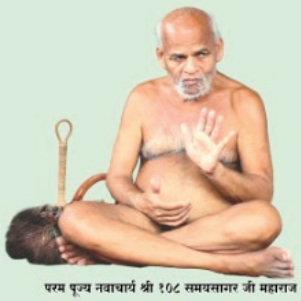

परम पूज्य नवाचार्य श्री १०८ समयसागर जी महाराज

महिला संस्कार शिविरों के जनक परम पूज्य तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव 108
श्री सुधासागर जी महाराज

के पावन सान्निध्य में
ऐतिहासिक सफलताओं के साथ

अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति एवं श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति

29 वाँ राष्ट्रीय महिला अधिवेशन

भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)

25-26 सितम्बर, 2024

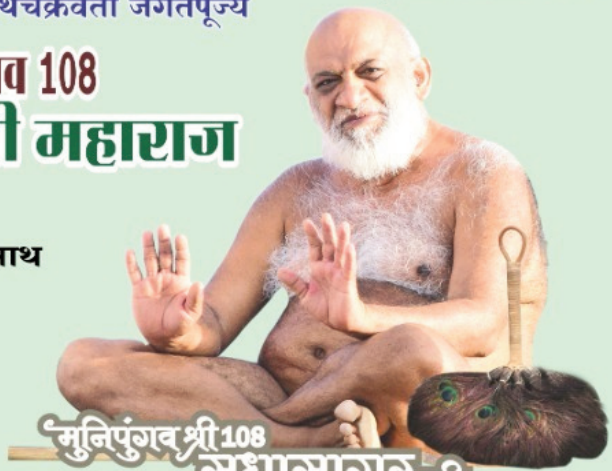

राष्ट्रीय महिला नेतृत्व श्रीमती शीला जैन डोड्या टीम का विशेष अनुरोध :

आप सभी सदस्याएँ अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस अवसर पर गुरू आशीष से सिंचित हों।

: परम शिरोमणि संरक्षक :
वृत्ति श्राविका श्रीमती सुशीला पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)

: संरक्षक :
श्रीमती शान्ता पाटनी श्रीमती तारिका पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)

राष्ट्रीय अध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष	युवा प्रकोष्ठ मंत्री	महिला प्रकोष्ठ मंत्री
शीला जैन डोड्या जयपुर	श्रीमती इन्दू गाँधी अशोक नगर	डॉ. वन्दना जैन जयपुर	डॉ. ममता जैन पुणे	मधु शाह कोटा

संयोजक श्रीमती शालिनी बाकलीवाल • श्रीमती संगीता सौगानी • श्रीमती डिम्पल गदिया
श्रीमती ममता गंगवाल • श्रीमती रेखा 'अहिंसा' • श्रीमती मधु पाटनी

सह-संयोजक : श्रीमती रानू कर्रापुर, श्रीमती प्रीति पाली, श्रीमती साक्षी सराफ, श्रीमती सोभना जैन, श्रीमती मीना चश्मा, श्रीमती सुषमा चौधरी, श्रीमती कान्ता जैन, श्रीमती प्रीति जैन, श्रीमती सुनीता नायक, श्रीमती सपना जैन, श्रीमती ज्योति बम्हौरी, श्रीमती रीता मोदी, श्रीमती कल्पना जैन

वात्सल्य सत्कार : बाहर से पधारने वाले महानुभावों हेतु आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था है।

विद्या सुधामृत सामाजिक कल्याणक समिति, सागर (म.प्र.)

सुरेन्द्र जैन (सट्टू)	राजकुमार जैन मिझी	राजेश जैन एडीना	राजेन्द्र जैन केसली	ऋषभ जैन बादशी	सुरेन्द्र जैन डबडेरा	आशीष जैन पटना
अध्यक्ष 93029-12981	महामंत्री 94605-67981	अध्यक्ष 93029-12981	गौरव अध्यक्ष 94251-71451	मुख्य संयोजक 93029-10021	कोषाध्यक्ष 98262-93384	स्वागत अध्यक्ष 94251-72301

प्रभु का नाम अलग-अलग पहलू, विशेषता लिए हुए है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। प्रभु का नाम अलग-अलग पहलू, विशेषता लिए हुए है ।रविवार एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार मे श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी म.सा के सान्निध्य में पुच्छिस्सुणं संपुट की बारहवीं गाथा का जाप हुआ। इस मौके पर युवाचार्यश्री ने कहा कि परमात्मा की स्तुति का यह पुच्छिस्सुणं संपुट जाप बहुत शक्तिशाली है। इस जाप का स्वाध्याय के समय शुद्ध उच्चारण के साथ स्तुति करनी चाहिए। जीवन में कैसी भी नकारात्मकता है, उसे दूर करने में यह सहायक है। कोई भी काम करना है, उसके पहले इसका जाप करना चाहिए। यह हमारे पास में शक्ति स्वरूप है। आज विडम्बना यह है कि हमारे पास, हमारे साथ आगमों की शक्तिशाली ऊर्जा रही हुई है, उसका हम कितना स्वाध्याय कर पाते हैं। हमने अपनी साधना को कभी गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने कहा आज हमने 12वीं गाथा का जाप किया। जो सब पर्वतों में श्रेष्ठ है, ऐसे मेरु पर्वत पर जाना आसान नहीं है। मेरु पर्वत का प्रकाश दूर- दूर तक दिखाई देता है। इसके लिए अनेक शब्दों का प्रयोग प्रयुक्त होता है। वैसे ही हमारे प्रभु है। उनके प्रत्येक नाम अलग-अलग पहलू, विशेषता को बताते हैं। जैसे वीर की उपमा तब मिली, जब मित्रों के साथ एक सांप को एक तरफ जाकर छोड़ दिया। उनके मित्रों ने उनको वीर नाम से बुलाया। संगम देव और शूलपाणि जैसे यक्ष के उपसर्गों को शांत किया। वीर वह, जो अपने को नुक्सान पहुंचाने वाले को हरा देता है। महा वीर वह, जिसने चण्डकौशिक जैसे दुष्ट को शांत किया। नाम के अनुसार हमारे भीतर में भाव आ जाए तो हमारा बेड़ा पार हो जाए। किसी भी जिज्ञासा का समाधान वे देते थे, ऐसे प्रभु महावीर थे। प्रभु महावीर योग्य, समुचित समाधान देने वाले थे, इसलिए सन्मति कहलाए। ऐसे प्रभु कंचन मठ बन गए। ऐसे सिद्धांत, निष्कर्ष उनके थे कि वहां पहुंचना मुश्किल होता। उनका आभामंडल, उनकी ज्ञान साधना का तेज, उनके वचनों का प्रभाव इतना था कि जो समाधान वे देते थे, वह पत्थर की लकीर होता था। प्रभु के शब्द अपने आप में सिद्धांत होते थे, जिनको सुनकर, जिनके अर्थ समझने से अपने आप भीतर में रही हुई भ्रांतियां दूर हो जाती। उन्होंने कहा परमात्मा इस भू-मंडल पर प्रकाश के पुंज के समान थे। उस प्रकाश के समान कि प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ने के लिए मार्ग सुझे। हालांकि चलना तो हमें ही पड़ेगा। हमें पुरुषार्थ करना है, वह प्रकाश पुंज है, समझ है लेकिन पुरुषार्थ करने की तैयारी नहीं। अगर वह इस प्रकाश में आ जाता है तो उसके प्रभाव से प्रत्येक व्यक्ति का मन आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा संयम के लिए मजबूती ज्यादा चाहिए। वह परमात्मा के वचनों से आती है। अगर अपने भावों को स्वीकार कर लें, भूलों को स्वीकार कर लें तो वह परमात्मा के वचनों का प्रभाव है। अनेक शब्दों से अनेक स्वरूपों को समझा जाता है। यह गाथा संपूर्ण जीवन में अनेक सकारात्मकताएं लाने वाली है। यह हमारी आत्मा को शुद्ध रखने वाली, कर्मों की निर्जरा कराने वाली है। अनेकों भाई बहनों युवाचार्यश्री से छोटी बड़ी तपस्या के प्रत्याख्यान लिए।इस दौरान पूना, मुंबई, इचलकरणजी, चाकण, अहमदनगर, चिंचवाड़, नासिक छत्तीसगढ़ आदि अनेक क्षेत्रों से सैकड़ों गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। महासंघ के पदाधिकारियों ने सभी गुरुभक्त अतिथियों का सम्मान किया। रविवार को नवकार मंत्र जप के लाभार्थी वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ असावरी थे। आगामी 1 से 5 सितंबर युवाचार्यश्री का जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

लायंस क्लब कोटा सेंट्रल का एक्शन सन्डे प्लान

गरीब परिवारों में किया बर्तन और कपड़ों का वितरण

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। लायंस क्लब कोटा सेंट्रल की और से एक्शन सन्डे प्लान के तहत गरीब परिवारों में कपड़ों और बर्तनों का वितरण किया गया । क्लब अध्यक्ष मधु ललित बाहेती ने बताया कि एक्शन संडे की सेवा गतिविधि के रूप में सड़क किनारे झुग्गी झोपड़ी में जीवन व्यापन करने वाले गरीब परिवारों के लिए क्लब की और से थाली, कटोरी, गिलास के 30 बर्तन सेट एवं महिलाओं के लिए साड़ी, सूट तथा पुरुषों के लिए पेंट, शर्ट की तीस पोशाक वितरित की गईं कपड़े व बर्तन पाकर गरीब परिवारों के चेहरे खिल उठे और सभी लोगों ने क्लब सदस्यों का आभार व्यक्त किया। सहायता सामग्री के वितरण में लायन राधा मोहता, वल्लभ दास मोहता, ललित बाहेती एवं श्याम लाल गुप्ता ने सहयोग किया ।

जैन कल्याण बोर्ड का गठन करेगी मप्र सरकार

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने घोषणा की

इंदौर. शाबाश इंडिया

मप्र भोपाल में शनिवार 21 सितंबर को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित क्षमावाणी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने सभा को संबोधित करते हुये जैन कल्याण बोर्ड के गठन की घोषणा की। इस घोषणा से समग्र जैन समाज हर्षित हुआ इसके साथ ही उन्होंने मुनिराज, आर्यिकाओं के विहार के दौरान सरकारी भवनों को निशुल्क उपलब्ध कराये जाने की घोषणा की। इस मौके पर प्रदेशभर से जैन समाजजन उपस्थित हुये। एवं गोशालाओ के लिए सरकार की तरफ से भी सहायता देने की भी घोषणा की इस जैन समाज की मांग को स्वीकार करने के लिए दिगंबर जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ जैनेन्द्र जैन महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल फैडरेशन के अध्यक्ष राकेश विनायका सुशील पांड्या हंसमुख गांधी टीके वेद राजेश जैन दद्दू प्रदीप बडजात्या राजीव जैन बंटी भुपेंद्र जैन कमल जैन विपुल बाझल एवं परवार समाज महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन सारिका जैन पुष्पा कासलीवाल आदि ने मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करते हुए हैं उन्हें बंधाई दी।

कविता : उगता हुआ सूरज

पूर्व दिशा में फैली लालिमा की छटा,
हर किरन में बसती है एक नई आशा।
रात की अंधेरी चादर को चीरता हुआ
आसमान में चमकता है उगता हुआ सूरज।

सुनहरी रोशनी का फैलाता साया,
हर कण में जीवन की नई चेतना लाया।
धरती के आँगन में नई उमंग जगाता,
उगता हुआ सूरज नई शुरूआत का गीत गाता।

हर सुबह की किरण में है शक्ति अपार,
हर नयी सुबह का है ये अनोखा उपहार।
पर्वतों की चोटी पर, सागर की लहरों में,
हर ओर बस चमकती तस्वीरें हैं नजरों में।

अंधेरों से लड़कर सूरज उजाला फैलाता,
नयी रौशनी में नई उम्मीदें सूरज जगाता।
उगता हुआ सूरज देता हमको है ये संदेश,
जीवन में हर पल है बस संघर्षों का खेल।

कविः अनुराग उपाध्याय

सन्मति ग्रुप द्वारा भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान आज सोमवार, 23 सितंबर सायं 7 बजे से

राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में होगा आयोजन, आदिनाथ मित्र मंडल के सहयोग से संघी जी के मंदिर सांगानेर में होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा आदिनाथ मित्र मंडल के सहयोग से दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का 48 दीपकों से भव्य रिद्धि सिद्धि मंत्रों के साथ सोमवार, 23 सितंबर को श्री दिगंबर जैन मंदिर संघी जी सांगानेर में साय 7 बजे से आयोजन होगा। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या के अनुसार प्रसिद्ध गायक अशोक गंगवाल की टीम द्वारा भक्ति संगीत के साथ भव्यता से आदिनाथ भगवान की आराधना की जायेगी।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर एवं

आदिनाथ मित्र मण्डल, जयपुर के द्वारा

48 दीपको से रिद्धि-सिद्धि मंत्रों के साथ

उत्तम क्षमा

भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान

सोमवार, 23 सितम्बर 2024
सायं 7.00 बजे से

—: प्रथम दीप प्रज्वलन कर्त्ता :—
श्रीमती सरोज जी जैन पांड्या
(धर्मपत्नि स्व. श्री पदम चन्द जैन पांड्या, चाँदराना वाले)

गायक
श्री अशोक गंगवाल एंड पार्टी

स्थान : श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, संघी जी, सांगानेर, जयपुर

कार्यक्रम ड्रेस कोड: पुरुष वर्ग – सफेद कुर्ता पायजामा/पेंट शर्ट, महिला वर्ग – केसरिया/पीली साड़ी

आदिनाथ मित्र मण्डल

सुनील जैन अध्यक्ष, राकेश गोदिका संरक्षक, विमल जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजेन्द्र बाकलीवाल मंत्री
संजय जैन 'आवां' उपाध्यक्ष, साकेत जैन उपाध्यक्ष, अशोक सेठी संयुक्त मंत्री, अनिल जैन डोड्या संयुक्त मंत्री, मुकेश जैन कोषाध्यक्ष

कार्यकारिणी सदस्य : टीकम जैन, अशोक सोगानी, राजेन्द्र जैन बोरखंडी, अनिल जैन (दोशी), अशीष शाह, अशोक जैन (आगरा रोड़), पं. विनोद शास्त्री

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर

राजेश बड़जात्या अध्यक्ष, अनिल कुमार जैन (Rt. IPS) संस्थापक अध्यक्ष, यश कमल अजमेरा निवर्तमान अध्यक्ष, निर्मल संघी महासचिव, पारस जैन कोषाध्यक्ष

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

मनीष-शोभना लोंग्या अध्यक्ष, राकेश-समता गोदिका संस्थापाक अध्यक्ष, दिलीप-प्रमिला पाटनी कोषाध्यक्ष, राजेश-रानी पाटनी सचिव
सुरेन्द्र-मृदुला पाण्ड्या संरक्षक, दर्शन-विनीता जैन संरक्षक, राजेश-जैना गंगवाल संरक्षक, विनोद-शशि तिजारिया संरक्षक, दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक

गुरु गोबिंद सिंह जी के नारायण आगमन पर बनी फिल्म 'सरबंस दानी' रिलीज हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया

सिख धर्म के दसवें गुरु, साहिबे कमाल गुरु गोबिंद सिंह जी और दादू संप्रदाय के पांचवें मुखी शिरोमणि महंत जैतराम जी के ऐतिहासिक मिलन पर बनी इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'सरबंस दानी' में दोनों महापुरषों में हुए धार्मिक

सामाजिक और सियासी चर्चाओं को दर्शाया गया है। साथ में उन सिख बुजुर्गों के योगदान का भी उल्लेख किया गया है जिनके प्रयासों से ऐतिहासिक महत्व का गुरुद्वारा बन सका। राजस्थान सिख समाज के बैनर तले बनी इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म का लेखन और डायरेक्शन सिख जाग्रति के संपादक ओंकार सिंह ने किया। ऐतिहासिक दस्तावेजों पर बनी इस फिल्म को राजस्थान सिख समाज के प्रधान सरदार अजयपाल सिंह ने जारी किया। इस प्रीमियर शो में अल्प-संख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह, केबीजीबी संस्था के प्रधान सरदार जसबीर सिंह, पंजाबी अकादमी के पूर्व चेयरमैन मनिंदर सिंह बग्गा, पूर्व पार्षद, बलदेव सिंह, दविंदर सिंह शंटी, सुरेंद्र सिंह रॉबिन और महिला सत्संग सभा की मुखिया बीबी इंद्रजीत कौर, राज खालसा एड के प्रधान सरदार जसबीर सिंह, भाई रतन सिंह अरोरा, नारायणा गुरुद्वारा के प्रमुख बाबा बलविंदर सिंह, गुरुनानक पूरा गुरद्वारे के प्रधान अमरजीत सिंह, सहित कई विशिष्ठजनो ने हिसा लिया। रूपक आधारित इस तथ्यात्मक फिल्म में बीबी जसपाल कौर, हरप्रीत कौर, मनमीत कौर, कमलदीप कौर, जसलीन कौर एवम हरप्रीत (जूनियर) ने हिस्सा लिया। बैकग्राउंड कमेंट्री डॉ तरनजीत कौर और मनमीत कौर ने दी। सरदार अजय पाल सिंह ने सभी कलकारो का दुशाला उढ़ा कर सम्मान किया।

रिपोर्ट : ओंकार सिंह

महावीर स्कूल की डेजल सैनी रजत पदक प्राप्त कर ''नेशनल डिस्कस थ्रो चैंपियनशिप'' के लिए हुई चयनित

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर स्कूल के लिए अत्यंत गौरव की बात है कि विद्यालय की कक्षा 12वीं की छात्रा डेजल सैनी ने 16 से 20 सितंबर तक भिवाड़ी में चल रहे सीबीएसई क्लस्टर मीट के अंतर्गत डिस्कस थ्रो में बहुत ही शानदार प्रदर्शन करके रजत पदक हासिल किया। जिसके फलस्वरुप डेजल को ''नेशनल डिस्कस थ्रो चैंपियनशिप'' के लिए चुना गया है। यह राष्ट्रीय चैंपियनशिप वाराणसी में देश के सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं के साथ आयोजित होगी। डेजल एक बेहद अनुशासित, शांत और संयमित खिलाड़ी है जिन्होंने अपने खेल में असाधारण कौशल, ताकत और सटीकता का परिचय दिया है। डेजल ने डॉ. सोनिका गोदारा के विशेष मार्गदर्शन में अनगिनत घंटे अभ्यास किया है। विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया एवं विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने डेजल की इस उपलब्धि के लिए बहुत-बहुत सराहना करते हुए बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

कर्म संभाल कर करना चाहिए कर्म को किसी पर कोई दया नहीं हैः मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

जैन समाज ने किया डी आई जी का सम्मान, इस चातुर्मास में सागर की संस्कृति को देशभर के श्रद्धालु देख रहे हैं : डी आई जी सुनील कुमार

सागर. शाबाश इंडिया

कर्म संभाल कर करना चाहिए कर्म को कोई दया नहीं है वह घानी में पिलवा दे अग्नि से जला दें इसलिए तो कहा गया कि प्रथमानुयोग को पढ़ें अध्यात्म पड़ने के बाद इतनी तीव्र कषाय जागतीं है कि वह झुकना भूल जाता है ये जो अध्यात्मी है ना उन के कोई सहनशीलता नहीं होती वह खानें पीने एक दिन को भी नहीं छोड सकता उनसे कहा दो कि संयम ले लो ये ले ही नहीं सकते पाप कर रहा है तो पापी है स्वीकार करना सीखो सत्य को स्वीकार करना सीखो जो सत्य है तो है सत्य को स्वीकार करना पड़ेगा दुनिया में तुम एक व्यक्ति चुन लेना जिससे कुछ नहीं छुडाना उक्त आश्य केउद्गार भाग्योदय तीर्थ सागर में विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने व्यक्त किए ।

सागर समाज की अपार भक्ति से देशभर की समाज अविभूत हैः विजय धुर्रा

इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि सागर समाज की अपार भक्ति झलक रही है जिस दिन से गुरु देव ने सागर जिले में प्रवेश किया तव से ऐसा कोई दिन नहीं वीत रहा जिस दिन कोई नया आयाम स्थापित हो रहा हो हमारे बीच परम पूज्य गुरुभक्त सागर संभाग के डी आई जी सुनील कुमार जैन पधारे हैं चाहे कटनी हो दमोह कुंडलपुर जहां भी गुरु देव विराजे आप पहुंच कर धर्म लाभ प्राप्त करते रहते हैं। इस दौरान चातुर्मास कमेटी गौरव अध्यक्ष राजेंद्र जैन सुरेन्द्र कुमार बड्ड कार्याध्यक्ष राजेश एडवीना सर्वाध्यक्ष आशीष पटना महामंत्री राजकुमार मिनी मुख्य संयोजक ऋषभ बांदरी कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र डवडेरा शिविर संयोजक साहिल डवडेरा प्रशांत जैन सानोधा अंकित जैन नेता मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय जैन धुर्रा सहित अन्य भक्तों ने माला चित्र साल श्री फल भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान डी आई जी सुनील कुमार जैन ने कहा कि सागर जिले की धार्मिक संस्कृतिक क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान है और जिस सभा हम सब उपस्थित उस सभा के नायक निर्यापक श्रमणमुनि पुंगवश्री सुधा सागर जी महाराज की ये कर्म भूमि रही है ऐसे में इस नगर में इतिहास रचना जाना स्वाभाविक है जैसा कि अभी कहां गया प्रतिदिन यहां एक नया इतिहास वन रहा है ये सभी के लिए बहुत आनंद दे रहा । धार्मिक आयोजनों के साथ बुंदेलखंड की संस्कृति को देशभर में एक नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज की प्रेरणा से कि विगत दिनों सागर में जो संस्कारो की वयार निकली उसने हमारे संभाग का गौरव बढ़ाया है उन्होंने कहा कि चाहे

कटनी हो दमोह या अशोक नगर में पदस्थ रहते हुए वहां की परम्परा को समझने का मौका मिला।

परिग्रह के साथ आत्मा का अनुभव असंभव है...

उन्होंने कहा कि परिग्रह के साथ कुछ भी अनुभव में नहीं आ जावेगा। उन्होंने कहा कि जिनवाणी कह रही है कि तुम भगवान हो द्रव्यानुयोग में लिखा है यही तो समझा रहा हूं यदि मां झूठ ना बोले तो वह मां नहीं मां तो झूठ बोल रही है आज समयसार पड़ने वालो की मजाक क्यों हो रही है कहते कुछ हैं और करते कुछ और है कहते हैं कि मैं शुद्ध बुद्ध हूं अजर अमर अविनाशी है और सभा में सर्प आ जाये तो सब भाग लेते है जो समय सार में लिखा है घर ग्रहस्थि में आत्मा अनुभव ग्रहस्थ को हो ही नहीं सकता एक धागा भी परिग्रह का है तो कुछ भी अनुभव मैं आ ही नहीं सकता एक मां अपने बेटे को गोदी में लेकर राजा बेटा कहती हैं बिल्कुल सफेद झूठ बोल रही है उसको पता है कि वह राजा नहीं है यदि बेटा बाजार में जाकर कहने लगे तो मजाक बनकर रह जायेगा दुनिया में कहीं चले गए सब जगह मजाक ही बनेगा मां के पास बेटा पहुंच कर कहेगा फिर भी वह अपने बेटो राजा बेटा ही कहेगी ऐसे ही जिनवाणी है जो अपने बेटे को राजा बेटा कह रही है।

विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर वार्षिक कलशाभिषेक का भव्य आयोजन हुआ, गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में हुआ आयोजन

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दि. जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी राजस्थान में चातुर्मास रत प. पू. भारत गौरव गणिनी गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में वार्षिक कलशाभिषेक का आयोजन बड़े ही भव्यता के साथ सानंद संपन्न हुआ। इस अवसर पर विशेष शांतिधारा करने का सौभाग्य कमल सेठी मुम्बई सपरिवार ने प्राप्त किया। तत्पश्चात भगवान के चरणों की फूलमाल पहनने का सौभाग्य दिनेश झिलाई वालों ने प्राप्त किया। प्रतिक जैन सेठी ने बताया कि - इस अवसर पर विज्ञातीर्थ क्षेत्र के संरक्षक, परम संरक्षक एवं सदस्यगण उपस्थित हुए थे। सभी ने भक्ति भावों के साथ आराधना करने का सौभाग्य प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने श्रद्धालुओं को संबोधन देते हुए कहा कि - त्रिकाल वंदना के रूप में किया जाने वाला यह कलशाभिषेक अपने जीवन में सुख- समृद्धि को देने वाला है। प्रभु के नाम की माला सभी अज्ञान, कष्ट को दूर कर देती है। माताजी ने कहा - छह माह तक अगर किसी व्यक्ति से बैर बना रहे तो नरक आयु बंध होता है। अतः जिससे वैर है उससे क्षमा मांगकर अपना दिल साफ करो। अभिषेक के पश्चात व्रत उपवास करने वाले तपस्वियों का सम्मान कर उनके तप की आराधना की गई। सभी श्रावकगणों ने आपस में क्षमा मांगकर क्षमावाणी पर्व मनाया। प्रतिक जैन सेठी ने बताया कि शाम 7 बजे सभी श्रद्धालुओं ने अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान की भक्तिमय आरती सम्पन्न करायी।

द साइंस एकेडमी एन एस पी स्कूल में दादा-दादी उत्सव कार्यक्रम मनाया गया

रावतसर। नरेश सिगची द साइंस एकेडमी के एन.एस.पी स्कूल में रविवार को प्रिंसिपल रेणु मुदगल कि अध्यक्षता में 'Grand Parents Day' के रूप में एक भव्य समारोह 'दादा - दादी उत्सव' आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व विधायक धर्मेंद्र मोची तथा विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर सुभाष सोनी रहे। इस उत्सव में एन. एस. पी.स्कूल में पढ़ने वाले छोटे छोटे बच्चों के दादा-दादियों ने सैंकड़ों की संख्या में भाग लिया, जिनके मस्तक पर तिलक अर्चन कर उनका स्वागत किया गया। दादा तथा दादी का पोते व पोतियों के सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रति उत्साह दर्शनीय था, इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में रिश्तों की गरिमा व उनके भावनात्मक आत्मीय संबंधों को पेश किया गया। छोटे विद्यार्थियों द्वारा वृद्धाश्रम नाटक का मंचन किया गया जो कि इतना संजीदा था कि दर्शक भावुक हो गए। इसके अलावा आज के इस दिवस को यादगार बनाया दादा दादी व पोते पोतियों की खेल गतिविधियों ने, जिसमें सभी ने बच्चों की तरह प्रतिभागी बनकर खेल की स्पर्धा में पूर्ण मनोयोग से भाग लिया व हार -जीत को आनंद के साथ जिया, जिससे सभी को अपना बचपन याद आ गया।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज प्रवचन से ...

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया

छोटी सोच और पैर की मोच,
हमे आगे बढ़ने नहीं देती..
टूटी कलम और अपनों से जलन,
खुद का भाग्य लिखने नहीं देती..
धन का लोभ और काम में क्षोभ,
हमें महान नहीं बनने देगा..!

जहाँ देखी तवा परात, वहीं गुजारी सारी रात वाले लोग इंसान के रूप में शैतान पुरूष है। इसलिए संसार में इंसान या तो अपने कृत्यों के लिए याद किया जाता है, या फिर अपनी कृतियों के लिये। जो व्यक्ति समय की धारा के साथ चलते रहते हैं, उन्हें इतिहास समय के साथ भुला देता है।और ज्यादा हुआ तो अपने भीतर उनका नाम भर दर्ज कर लेता है। लेकिन जो व्यक्ति समय की धारा को मोड़ देता है, इतिहास भी उनके साथ हो लेता है। और वह व्यक्ति मानव इतिहास में अमर हो जाता है। भगवान महावीर, कर्म योगी श्री कृष्ण, मयार्दा पुरुषोत्तम राम, महात्मा बुद्ध, गुरु नानक जैसे लोग ऐसे ही युग पुरुष थे। हम बड़ों की केवल प्रशंसा ना करें, उन्हें पसंद भी करें। लेकिन तुम इतने बेईमान हो, प्रशंसा तो भगवान की करते हो और पसंद संसार को करते हो। तुम्हें बेटा प्यारा है, बेटी प्यारी है, पत्नी प्यारी है, दुकानदारी प्यारी है, दुनियादारी प्यारी है। प्यारा नहीं है तो एक प्रभु, परमात्मा तुम्हें प्यारा नहीं है। वैसे तुम कहते जरूर हो कि मेरे मन मंदिर में आन, पधारो महावीर भगवान। मगर तुम झूठे मन से गाते हो। एकदम ऊपरी मन से। तुम प्रभु के प्यारे होना ही नहीं चाहते हो। यही कारण है कि परमात्मा तुम से जुड़ नहीं पा रहा है।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

संयम तप त्याग की मूर्ति मुनि श्री संविज्ञ सागर जी महामुनिराज ने 33 वा उपवास के बाद जल ग्रहण किया

पारस जैन पार्श्वमणि. शाबाश इंडिया

बूंदी, राजस्थान। राणा प्रताप मीरा और पन्ना धाय के तप त्याग और साधना की पावन वसुंधरा राजस्थान प्रांत के प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण हाड़ी रानी और कवि सूर्य मल मिश्रण की कर्म भूमि, छोटी काशी के नाम से सुविख्यात बूंदी जिले का धर्म प्राण कस्बा नैनवां धन्य हो गया। नैनवां महान गुरू के महान शिष्य की साधना का स्वर्णिम इतिहास लिखा जाएगा नैनवां की पावन धरा पर नैनवा के इतिहास में प्रथन बार परम पूज्य आचार्य श्री आदिसागर जी अंकलीकर परम्परा के चतुर्थ पट्टाचार्य प्राकृत केसरी ,भक्तों के भगवान ,तीर्थ रक्षक आचार्य 108 श्री सुनील सागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य, तपस्वी मुनि 108 श्री संविज्ञ सागर जी महामुनिराज ससंघ का पावन वषायोग धर्म परायण नगरी नैनवा जिला बूंदी राज. में श्रद्धा भक्ति भाव,आनंद और उत्साह के साथ हर्षोल्लास के मंगलमय वातावरण में चल रहा है। जैन सिद्धांतो का लोहा तो विज्ञान भी स्वीकार करता है दिगम्बर मुनिराज की साधना के आगे विज्ञान भी नतमस्तक ऐसा ही अदभूत अपूर्व अविस्मरणीय नजारा नैनवा कस्बे में देखने को मिल रहा है। मुनि संघ में मुनि श्रुतेश सागर महाराज क्षुल्लक सुप्रकाश सागर जी महाराज विराजमान है। मुनि श्रीससंघ का चातुर्मास कलश स्थापना दिनांक 21/07/2024 हुई। तभी से निरंतर दो निर्जल उपवास एक आहार की साधना दिनांक 07/08/2024 से तीन निर्जल उपवास एक आहार की साधना एवम दिनांक 20/08/2024 से मुनि श्री की निरंतर निर्जल उपवास की साधना चल रहा है। मुनि श्री का आज 33वा निर्जल उपवास है। मुनि श्री अपनी उपवास की साधना के साथ साथ अपने छः आवश्यको का पूर्ण निष्ठा के साथ पालन कर रहे है। मुनि श्री कि सेवा में सकल जैन समाज नैनवा ही नहीं अपितु आस पास के ग्राम की जैन समाज के साथ मुनि संघ भी तन मन से सेवा में लगा हुआ है। आज दिन तक ऐसी निर्जल उपवास की साधना के संदर्भ में मां जिनवाणी में पढा था दिगम्बर मुनिराजो की जिन देशना में सुना था पर आज मुनि श्री वही साधना सकल जैन समाज नैनवा को नहीं अपितु सम्पूर्ण भारत वर्ष की संपूर्ण जैन समाज को साक्षात दिखा रहे है। हम सभी श्री जिनेंद्र प्रभु से प्रार्थना करे कि मुनि श्री के उपवास निर्विघ्न सम्पन्न हो साथ ही मुनि श्री का रत्नत्रय कुशल बना रहे। सकल जैन समाज नैनवां के सामूहिक विशेष संचित पुण्य से ही ऐसी अदभुत कठोर साधना संपूर्ण जैन समाज के साथ साथ जैनेतर समाज को भी देखने को मिल रही है। उक्त समस्त जानकारी सतीश कुमार जैन सेठिया जिनेद्र कुमार जैन नैनवा ने राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि कोटा को प्रदान की। ऐसी साधना देखकर मेरे अंतर्मन में यही भाव विचार आते है। धरती बीछोना है आसमान ओढ़ना है संयम तप और त्याग ही जिनका गहना है उन संविज्ञ सागर जी तपस्वी संत के बारे में बारे पार्श्वमणि ये कहना है। उनके पावन चरणों में रहना है। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि ने आगे बताया कि मुनि श्री का जन्म देवी अहिल्या की नगरी इंदौर मध्य प्रदेश में 07/03/1985 को देव शास्त्र गुरु के भक्त श्री रवि किरण जी माता श्रीमती रानी शहा के घर आंगन में हुआ था।आपकी लौकिक शिक्षा आठवी तक है।आपकी दीक्षा 15/10/2021 को अंदेश्वेर पार्श्व नाथ तीर्थ क्षेत्र पर आचार्य 108 श्री सुनील सागर जी महामुनिराज के वरद हस्त कर कमलों द्वारा प्रदान की गई थी। इस अवसर पर चातुर्मास समिति अध्यक्ष विनोद मारवाड़ा उपाध्यक्ष विनोद बरमूंडा ओर बीस पंथ दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष कमल मारवाड़ा उपस्थित थे।

वर्धमान सरोवर जैन मंदिर मे दशलक्षण महा महोत्सव धूमधाम से हुआ संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

वर्धमान सरोवर, मानसरोवर मे स्थित दिगंबर जैन मंदिर मे दसलक्षण पर्व के उपलक्ष मे दसो दिन कार्यक्रम बड़े धूमधाम से सपन्न हुए। समाज सेवी सुनील सोगानी ने बताया कि पूरा जैन समाज जिनेन्द्र देव की भक्ति मे लीन रहा ' रोजाना शाम को दस धर्म पर विदुषी दीदी द्वारा प्रवचन किये गए तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। अंनत चतुर्दशी पर 12वे तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य का मोक्ष कल्याणक दिवस बड़े हर्ष उल्लास से मनाया और निर्माण लड्डू चढ़ाया गया विधान मण्डल पर चौबीस भगवान की पूजा की गई। समाज द्वारा कलशो के बाद क्षमावाणी पर्व मनाया सभी ने एक दूसरे से क्षमा मांगी, उसके बाद सामुहिक गोठ व गरबा का कार्यक्रम हुआ। अंत मे क्षमावाणी पर्व के बाद सामुहिक गोठ का आयोजन किया गया और जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा आयोजित जय जिनेन्द्र प्रतियोगिता के विजेताओं को आकर्षित गिफ्ट दिये गए।

श्री दिगंबर जैन मंदिर ग्राम पीलोदा में हुए कलशाभिषेक

श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया। निकटवर्ती स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर ग्राम पीलोदा में आज भगवान महावीर स्वामी का श्री दिगंबर जैन मंदिर ग्राम पीलोदा में कलशाभिषेक एवं शांति धारा की गई। पं. मुकेश जैन शास्त्री द्वारा मंत्रोच्चारण व पूजन विधान किया गया। श्री जी की फूलमाला की बोली जोधराज जैन गुवाहाटी निवासी ने ली। भक्ति संध्या के साथ भगवान महावीर स्वामी की आरती की गई, इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन कार्यकारिणी कमेटी के संयुक्त मंत्री पीके जैन, प्रदीप ठोलिया, योगेश जैन, प्रबंधक विकास पाटनी, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष चंद्रेश कुमार जैन, डॉ.सौरभ जैन, सोनू पूजारी, आनंद पूजारी, चंदनवाला महिला मंडल व आए हुए सभी श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ लिया। विकास पाटनी ने बताया कि मंदिर कमेटी द्वारा भोजन आदि की व्यवस्था की गई।

राजस्थान महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। 21 से 30 सितंबर तक मनाया जा रहे इस पखवाड़े के तहत आज रविवार के दिन भी स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय में उपस्थित होकर स्वच्छता अभियान जारी रखा। प्राचार्य विनोद जी शर्मा ने स्वयं उपस्थित होकर श्रमदान कर छात्रों को प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को राष्ट्र प्रेम की भावना को सर्वोपरि रखकर,जीवन में बेहतर नागरिक बनने हेतु कार्य करने की शिक्षा दी ।गणतंत्र दिवस परेड के लिए महाविद्यालय के स्वयं सेवकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भी प्रारंभ हुआ। उप प्राचार्य संजय बाबूलाल मीणा ने बताया कि इसी पखवाड़े में 24 सितंबर को राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के उपलक्ष में 23-25 सितंबर तक अंतर महाविद्यालय निबंध प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता एवं मंडला कला पर वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विभिन्न महाविद्यालय-विश्वविद्यालय के छात्र भाग लेंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक डॉ मीना रानी ने कहा राष्ट्रीय सेवा योजना का आदर्श वाक्य 'मैं नहीं बल्कि आप' को दैनिक कार्यों में अपनाए साथ ही उन्होंने महाविद्यालय प्रशासन एवं विद्यार्थियों का आभार प्रकट किया।

बच्चों में हो रहा है धार्मिक संस्कारों का बीजारोपण

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। स्थानीय जैन समाज के छोटे-छोटे बच्चों को सप्ताह के हर रविवार को प्रातः मंदिर में अष्ट द्रव्यों से पूजन करवा कर उनमें धार्मिक संस्कारों का बीजारोपण किया जा रहा है। रविवार को जैन समाज के छोटे-छोटे बच्चों को आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में नवनीत बाकलीवाल व, निधि जमोरिया, सोनू सोनी ,बीना गदीया व सीमा बड़जात्या ने अष्ट द्रव्यों से देव, शास्त्र, गुरु की पूजन कराई। बच्चों को रविवार को स्कूल बैग व टी-शर्ट एवं स्टेशनरी वितरित की गई। टी-शर्ट व स्कूल बैग भेंटकरर्ता काव्यांश बड़जात्या पुत्र जयप्रकाश मनीषा बड़जात्या पोत्र सुशील चंद मधु बडजात्या के जन्म के उपलक्ष मे विजयनगर वालों के द्वारा श्री बाहुबली दिगंबर जैन पाठशाला नसीराबाद के बालक बालिकाओं को वितरण की गई एवं महावीर गोधा, गोधा मोबाइल विजयनगर वालों की तरफ से गिफ्ट वितरण कर धर्म प्रभावना व छात्र-छात्राओं को धर्म मार्ग में चलने की प्रेरणा दी गई। यह समस्त जानकारी अजीत गोधा ने दी।

भगवान शांतिनाथ का हुआ 1008 कलशों से महामस्तकाभिषेक, जयपुर से आई 31 फीट ऊंची प्रतिमा को किया गया मंदिर परिसर में विराजमान

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अंबाह। क्षेत्र के प्रसिद्ध अतिशय जैन तीर्थ क्षेत्र सिहोनिया जी में स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में जैन संत परमपूज्य आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज केआज्ञानुवर्ती शिष्य पूज्य मुनिश्री शिवानन्द जी महाराज एवं मुनि श्री प्रश्मानन्द जी महाराज के सानिध्य में जैन धर्म के 16 वे तीर्थकर भगवान शांतिनाथ की 31 फुट ऊंची प्रतिमा विशाल जन समूह की उपस्थिति में स्थापित की गई जयपुर से आई यह प्रतिमा क्रेन के माध्यम से विधिविधान से शोभा यात्रा व पूजा अर्चना के बाद विराजमान की गई वही इस आयोजन में देश भर के जैन धर्मावलंबी शामिल रहे। ज्ञात रहे कि क्षेत्र का यह प्राचीन जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र के रूप में देश विदेश में अपनी विशेष पहचान बन चुका है। इसी परिसर में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अंबाह जिनेश कुमार जैन एवं महेंद्र जैन द्वारा 31 फुट ऊंची 125 टन वजनी प्रतिमा विधिविधान से पूजा अर्चना कर बैंड बाजों की मधुर ध्वनि के बीच स्थापित कराई गई इस दौरान विधानाचार्य ने पूजा अर्चना व स्थापना की प्रक्रिया पूर्ण कराई। आयोजन के बीच भगवान शांतिनाथ के जयघोष के नारे से पूरा क्षेत्र गुंजमान हो उठा, भजनों की धुनों पर धर्मावलंबी भी झूम उठे इस अनुष्ठान में महामस्तिकाभिषेक व श्री शांतिनाथ महामंडल विधान महोत्सव भी संपन्न हुआ। यहां 1000 वर्ष पुरानी भगवान शांतिनाथ, भगवान कुंथुनाथ, भगवान अरहनाथ की मनोहारी, खड्गासन प्रतिमाओं का स्वर्ण कलशों से अभिषेक किया गया। केसरिया वस्त्र धारण किए हुए श्रद्धालु तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का अभिषेक करने के लिए उतावले हो रहे थे

जैन तीर्थ हमारे देश की संस्कृति के माथे के तिलक: आयोजन में युगल मुनिराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जैन तीर्थ हमारे देश की संस्कृति के माथे के तिलक होते हैं। जिनमें प्राचीन तीर्थ तो देश की वह धरोहर है जिनकी कीमत तो केवल श्रद्धालुओं द्वारा तीर्थ वंदना की जाने वाले अनन्तानंत श्रद्धाभक्ति के भावों से पहचानी जा सकती है। अंतरंग भावों से की गई भक्ति आध्यात्मक और ध्यान के रंगों से सराबोर कर देती है।

इंद्रों ने कलशों से किया भगवान जिनेंद्र का अभिषेक: महोत्सव में मंत्रोच्चारण के साथ इंद्रों ने कलशों में शुद्धजल भरकर भगवान जिनेंद्र का जयकारों के साथ अभिषेक किया। महामंडल विधान में इंद्र-इंद्राणियों ने पीले वस्त्र धारण कर सिर पर मुकुट और गले में माला पहनकर भक्तिभाव के साथ पूजा अर्चना कर सिध्दप्रभू की आराधना करते हुए भगवान जिनेन्द्र को अर्घ्य समर्पित किए। कार्यक्रम में दिल्ली,मुरार,अजमेर,अंबाह,ग्वालियर, भिंड, मुरैना, घाटीगांव, डबरा, इटावा, गोरमी आदि जगहों के श्रद्धालुओं ने युगल जैन मुनि को श्री फल भेंट कर आशीर्वाद लिया।

विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले 52 मातृशक्तियों व बालिकाओं का केंद्रीय राज्य मंत्री ठाकुर ने किया सम्मान

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। इंदौर की प्रतिष्ठित हस्तियों और उभरती प्रतिभाओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से ह्यूमैनिज्म सेवा संस्कार चैरिटी ऑर्गनाइजेशन द्वारा ड्रीम वर्ल्ड रिसॉर्ट में एक गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में महिला एवं बाल विकास केंद्रीय राज्य मंत्री माननीय श्रीमती सविता ठाकुर ने इंदौर के 52 विशिष्ट और अद्वितीय व्यक्तित्वों को सम्मानित किया। इन सभी प्रतिभाओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण कार्य करके न केवल इंदौर का, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। समारोह की विशेषता यह रही कि इसमें संगम नगर योग वृक्ष महिलाओं द्वारा वंदे मातरम्-गीत पर मनमोहक योग प्रदर्शन किया गया, जिसने पूरे कार्यक्रम में देशभक्ति और भारतीय संस्कृति की अद्वितीय छटा बिखेरी।

इन्हें किया सम्मानित

मीडिया प्रभारी होलास सोनी ने बताया कि इस सम्मान समारोह में ओडिशी नृत्यांगना अनुषा जैन का सम्मान किय। जिन्होंने अपने नृत्य कौशल से नई ऊंचाइयों को छुआ है। वहीं, आस्था जैन को समाजसेवा की पहल ''रोटी बैंक एटीएम'' ने अनगिनत जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाई है, उनका सम्मान किया। मात्र 11 वर्ष की आयु में काव्या जैन ने कथक नृत्य में गहन निपुणता प्राप्त की है और उन्हें कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिले हैं। उनका भी सम्मान किया। इसके साथ ही, बबली गंभीर का सम्मान किया। जो एक स्किन सॉल्यूशन थैरेपिस्ट हैं, को उनके क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए 15 राष्ट्रीय पुरस्कारों और एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार और वूमेन प्राइड अवार्ड भी मिल चुका है। इनके साथ ही उज्वला कारमोरे ,डॉ पुष्पा जैन संजीता जैन ,मनीषा यादव, साधना मादावत अनीता बड़जात्या आरुषि जैन अनुभा जैन बबली गंभीर , दिशा श्रीमाल, हिमागी जैन, खुशी शाह, कीन्सी मंगल ,एडवोकेट मानसी जैन डाक्टर मिताली कोरिया डाक्टर मुस्कान चोपड़ा, नीतू जैन, नेहा जैन ,प्रियंका तिवारी, राशि श्रीं माल, डाक्टर रेणु उपाध्याय, सपना सिसोदिया, विदुषी सुमनलता, डाक्टर सुनिता कावले, उषा मकोडे ,यशस्वी संघवी निराली जैन सोमैया तिल घोंटा सहित अनेक मातृशक्ति और बालिकाओं को समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने पर सम्मानित किया। ह्यूमैनिज्म सेवा संस्कार चैरिटी ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष अशोक मेहता ने संस्था द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सहायता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि संस्था न केवल जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां लाने के लिए समर्पित है, बल्कि हाल ही में सेंट्रल जेल में कैदियों की आर्थिक मदद कर उन्हें रिहाई दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस समारोह में इंदौर के प्रतिष्ठित समाजसेवी और उद्योगपतियों की उपस्थिति ने आयोजन को और भव्य बना दिया। प्रमुख व्यक्तित्वों में कांतिलाल बम, प्रवीण खारीवाल, डॉ जैनेन्द्र जैन दिलीप मेहता, राजेश जैन दद्दू प्रदीप जैन, रजत जैन, होलास सोनी, साधना भंडारी, शांता भामावत, कल्पना पटवा, संजय जैन, महेंद्र बापना, वीर सिंह यादव, प्रभात कोहेकर, मानव पटवा, आशा सोनी मुक्ता जैन अरुणा पाटनी, राजीव सिन्हा, भारती मुनोत आदि की उपस्थिति ने समारोह को विशिष्ट बना दिया।

सहारनपुर के सुनील कुमार शिक्षक को ''रामधारी सिंह दिनकर साहित्य सेवा सम्मान 2024'' से किया गया सम्मानित

सहारनपुर. शाबाश इंडिया

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त साहित्यकार सुनील कुमार को राजकुमार जायसवाल 'विचारक्रांति' के नेतृत्व में नमो फाउंडेशन सिंगरौली द्वारा राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत व वीर रस के महान राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जी की जयंती पर आयोजित प्रतियोगिता में चयनित होने पर रामधारी सिंह दिनकर साहित्य सेवा सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया। राजकुमार जायसवाल विचारक्रांति के नेतृत्व में आयोजित किए गए इस प्रतियोगिता में देश - विदेश से सैकड़ों प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं, जिनमें से 175 श्रेष्ठ साहित्यकारों को रामधारी सिंह दिनकर साहित्य सेवा सम्मान 2024 के लिए चयनित किया गया है। नमो फाउंडेशन सिंगरौली द्वारा हिंदी साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले साहित्यकारों को एक ऑनलाइन प्रतियोगिता के माध्यम से सम्मानित किया गया है, जिसमें सुनील कुमार शिक्षक को उनकी साहित्यिक उपलब्धियों के आधार पर सम्मान के लिए चयनित किया गया है। सुनील कुमार शिक्षक साहित्य के साथ-साथ प्राथमिक विद्यालय बाधी नकुड़ सहारनपुर में प्रधानाध्यापक के पद को सुशोभित कर रहे हैं। सुनील कुमार शिक्षक वर्तमान में एआरपी के पद पर कार्यरत हैं , सुनील कुमार ब्लॉक नकुड़ को निपुण बनाने में समर्पित होकर योगदान दे रहे हैं। सुनील कुमार शिक्षक

Gov. Registration no. 762/2018 — Presented by :
RDSDSSS 2024
रामधारी सिंह दिनकर साहित्य सेवा सम्मान - 2024
प्रशस्ति पत्र
सम्माननीय सुनील कुमार नकुड़ जी
सहारनपुर, उत्तरप्रदेश
आपके उत्कृष्ट काव्य सृजन एवं हिंदी साहित्य में अनुकरणीय योगदान के लिए आपको रामधारी सिंह दिनकर साहित्य सेवा सम्मान - 2024 से सम्मानित किया जाता है।
हम आपके स्वस्थ व खुशहाल जीवन के साथ उज्वल भविष्य की कामना करते हैं।
दिनांक :- २३-०९-२०२४
संपर्क सूत्र :- 8120927390
राजकुमार जायसवाल "विचारक्रांति"
आयोजक/संयोजक
रामधारी सिंह दिनकर साहित्य सेवा सम्मान 2024

अपना साहित्य व शिक्षा के क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से कार्यरत हैं, इनकी अधिकतर रचनाएं राष्ट्रप्रेम व अच्छे समाज के निर्माण के लिए समर्पित रहती हैं। रामधारी सिंह दिनकर साहित्य सेवा सम्मान 2024 के आयोजक/संयोजक ने कहा कि सुनील कुमार शिक्षक की रचनाएं पढ़ते ही मन व हृदय को स्पर्श कर जाती है, इनके जैसे साहित्यकार ही समाज में परिवर्तन के वाहक बनकर, अपने जड़ों से जुड़कर व सनातन संस्कृति को प्रचारित करके भारत को पुनः विश्व गुरु बनाएंगे। नमो फाउंडेशन सिंगरौली इकाई द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में भारत के सभी राज्यों सहित विदेश के प्रतिभागी भी शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में नवोदित साहियकारों के साथ कई दर्जन वरिष्ठ व अंतर्राष्ट्रीय पहचान वाले साहित्यकार जुड़े, जो नमो फाउंडेशन व आयोजक राजकुमार जायसवाल विचारक्रांति के लिए बहुत गर्व की बात है। इस सम्मान में सुनील कुमार शिक्षक को चयनित होने पर नमो फाउंडेशन सिंगरौली के जिला मंत्री व आयोजक राजकुमार जायसवाल विचारक्रांति ने हार्दिक बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है।

जैन सोश्यल ग्रुप महानगर ने 73 जैन प्रतिभाओं का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानव एवं समाजसेवा के क्षेत्र में अग्रणी जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फैडरेशन के अन्तर्गत जैन सोशल ग्रुप महानगर जयपुर द्वारा शनिवार 21 सितम्बर 2024 को इन्द्रलोक सभागार, भट्टारक जी की नसियां, जयपुर में राज्य स्तरीय जैन प्रतिभा सम्मान 2024 का आयोजन किया गया। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों की 73 जैन प्रतिमाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक सी एस जैन एवं रवि प्रकाश जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम में वर्ष 2024 में, दसवीं एवं बारवीं कक्षा में 95% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र, सीए, सीएमए, सीएस, पास करने वाले, प्रशासनिक सेवा तथा राजपत्रित सेवा में चयन होने वाले, पीएचडी

उपाधि प्राप्त करने, आईआईटी, आईआईएम, एनएलयू, मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने, एवं अन्य विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले छात्रों का सम्मान किया गया। महानगर ग्रुप अध्यक्ष संजय छाबड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम में आर ए एस नरेन्द्र जैन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर उन्होंने प्रतिभागियों से आपसी संवाद किया। कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन डॉ राजीव जैन ने किया। अध्यक्षता समाजसेवी प्रमोद जैन पहाडिया ने की। सचिव सुनील जैन ने बताया कि महानगर ग्रुप पूर्व में भी ऐसे आयोजन सामाजिक कार्यक्रम के तहत कर चुका है। इस मौके पर संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन, अध्यक्ष संजय छाबड़ा आवां, श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद जयपुर के अध्यक्ष उमराव मल संघी, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, जेएसजीआईएफ नार्दन रीजन के चैयरमेन महेन्द्र सिंघवी, रवि प्रकाश जैन, सी एस जैन, विरेन्द्र जैन, दीपेश छाबड़ा, सुनील जैन, सुशील कासलीवाल सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग शामिल हुए। मंच संचालन रवि प्रकाश जैन ने किया। आभार सी एस जैन ने व्यक्त किया।

धूलियान में निशुल्क दातव्य डेंटल चिकित्सा सेवा का उद्घाटन किया गया

धुलियान, पश्चिम बंगाल. शाबाश इंडिया

धूलियान दिगंबर जैन पंचायत ट्रस्ट द्वारा संचालित जैन होम्योपैथिक दातव्य चिकित्सालय जो विगत 40 साल से निशुल्क सेवा प्रदान कर रहा है आज इसि श्रृखंला में ताः 22.09.2024 रविवार से डेंटल विभाग का निशुल्क सेवा का संजोजन कर शुभारम्भ किया गया। मंत्री सुरेंद्र सेठी जी ने कहा की हमें इस दातव्य चिकित्सालय को और आधुनिकीकरण कर ज्यादा सेवा प्रदान करना है, डेंटल सेवा उद्घाटन में समाज के गणमान्य उपस्थित थे। -**संजय बड़जात्या धुलियान पश्चिम बंगाल**

उद्योग मंत्री राठौड़ ने आचार्य सुंदरसागर महाराज को समर्पित की राज्य अतिथि आदेश की प्रति

शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में आचार्य सुंदरसागर महाराज के वर्षायोग प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। राजस्थान के उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने रविवार को शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मास कर रहे राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागरजी महाराज के दर्शन-वंदन का लाभ प्राप्त किया। उनके साथ भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी भी थे। मंत्री राठौड़ एवं विधायक कोठारी ने आचार्य सुंदरसागर महाराज को राज्य अतिथि का दर्जा प्रदान करने के बारे में राजस्थान सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश की प्रति भेंट की। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी ने बताया कि मंत्री राठौड़ एवं विधायक कोठारी ने आचार्यश्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्यश्री ने सभी के प्रति मंगलभावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को हमेशा समाज की सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए ओर जनहित में समर्पित भाव से कार्य करने चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में सुसंस्कार होने पर ही आत्मकल्याण की राह प्रशस्त हो सकती है।